कला शाखा पालक सभा

प्रागतिक शिक्षण संस्था के नूतन कला, वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय, राजापूर, तहसिल-संगमनेर यहाँ पर गुणवत्ता निर्धारण समिती व कला शाखा के अंतर्गत महाविद्यालय में छात्र और पालक सभा का आयोजन तिथि २८/४/२०२२ को किया गया था । इस सभा के अध्यक्ष प्रागतिक शिक्षण संस्था के उपाध्यक्ष मा.आर.पी.हासे साहब थे । मा.प्रधानाचार्य डॉ.सुभाष कडलग सर इन्होने अपने प्रास्ताविका में नया शैक्षणिक उपाययोजना के बारे में छात्र और पालक को महाविद्यालय का विकास और नये धोरण कें बारे में बहुत सारी जानकारी दी ।

कार्यक्रम का आयोजन अध्यापक गायकवाड सर इन्होंने किया । अध्यापिका शितल वाकचौरे इन्होंने कार्यक्रम का सूत्रसंचालन किया । हिंदी विभाग के बहुत सारे छात्र और पालक इस सभा में शामिल थें । कार्यक्रम का आभार मा.अध्यापक डॉ.मंगल हांडे इन्होंने किया । कार्यक्रम समाप्ति के बाद महाविद्यालय में ज्यो सारे परिवर्तन किये गए, ज्यो ज्यो नया बदलाव किया गया वह सब पालक सभा के लिए आए गये मेहमान, पालक को दिखाया गया ।

प्रगतिक शिक्षण संस्थेचे,

नूतन कला, वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय,

राजापूर ता. संगमनेर -४२२६०५ जि.अहमदनगर (महाराष्ट्र).

प्राचार्य -डॉ.सुभाष कडलग (एम. एस्सी.,पी.एच.डी.)

ई-मेल: nutancollege99@gmail.com मोबाईल : ९४२२२२७९६९ वेबसाईट : www.pssnutancollege.com AISHE CODE-C-41502 कॉलेज कोड - 0694

जावक क्र. NACSCR/417/802/-22 दि. 30/03/2022

प्रति,

मा.डॉ.संदिप डी.तपासे
लोकनेते बाळासाहेब भाऊसाहेब थोरात कला वाणिज्य व
विज्ञान महाविद्यालय,तळेगाव दिघे
ता.संगमनेर जि.अहमदनगर

विषय :- आभार पत्र .....

महोदय,

वार बुधवार दिनांक ३०/०३/२०२२ रोजी आय.क्यु.ए.सी व हिंदी विभागाच्या वतीने आयोजित हिंदी मे रोजगार के अवसर या विषयावर ऑनलाईन मार्गदर्शन केले .त्याबद्दल महाविद्यालय व हिंदी विभाग आपले आभारी आहे.

कळावे,

कार्यक्रम समन्वयक

डॉ.सुभाष डी.कडलग
प्राचार्य
नूतन कला, वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय
राजापूर, ता. संगमनेर जि. अ.नगर ४२२६०५

नूतन कला वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय, राजापूर
विद्यार्थी व पालक मेळावा
उपस्थित सर्व विद्यार्थी व पालक यांचे
सहर्ष स्वागत

नूतन कला वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय, राजापूर
आयोजित
कला विभाग
विद्यार्थी व पालक मेळावा
उपस्थित सर्व विद्यार्थी व पालक यांचे
सहर्ष स्वागत

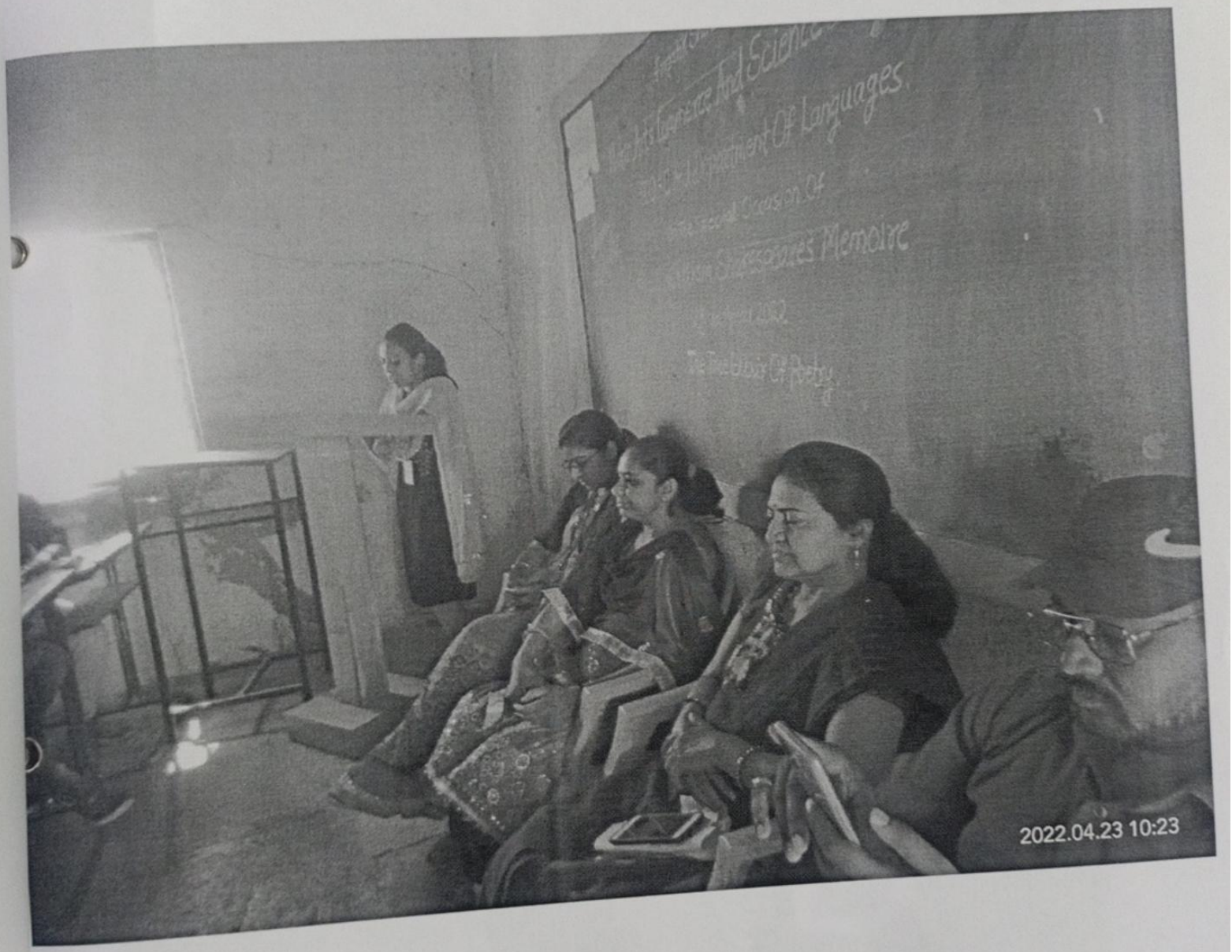
Department Of Languages
2022.04.23 10:23

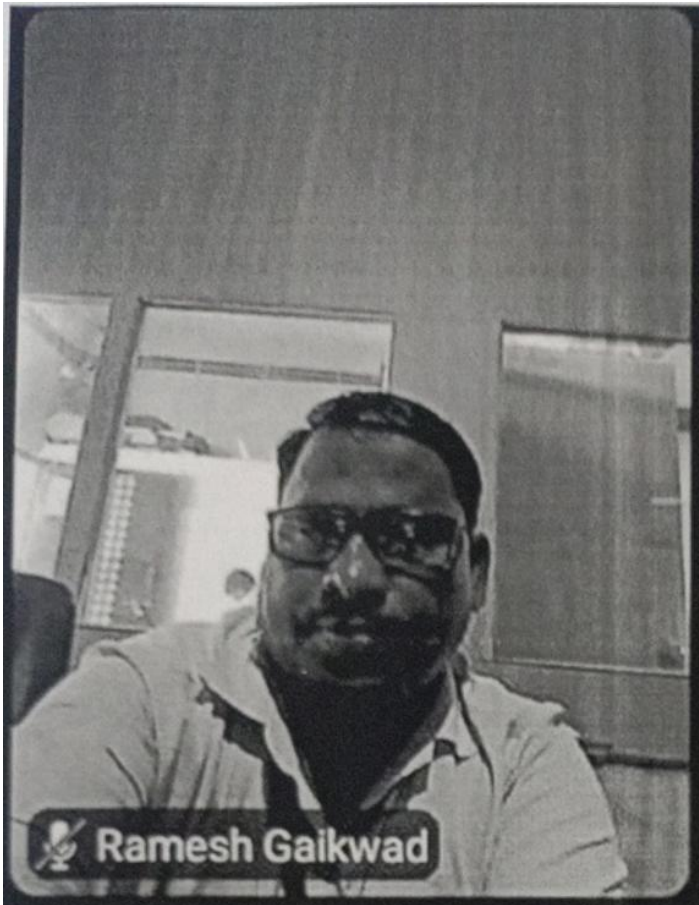

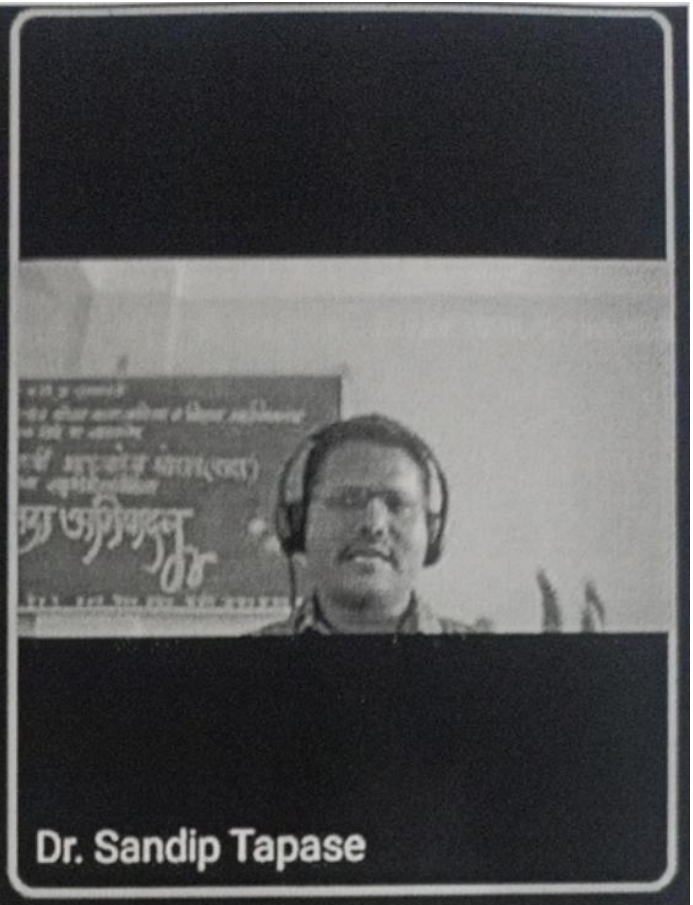

मनोज हासे

D

Dr. Mangal Namdev Hande

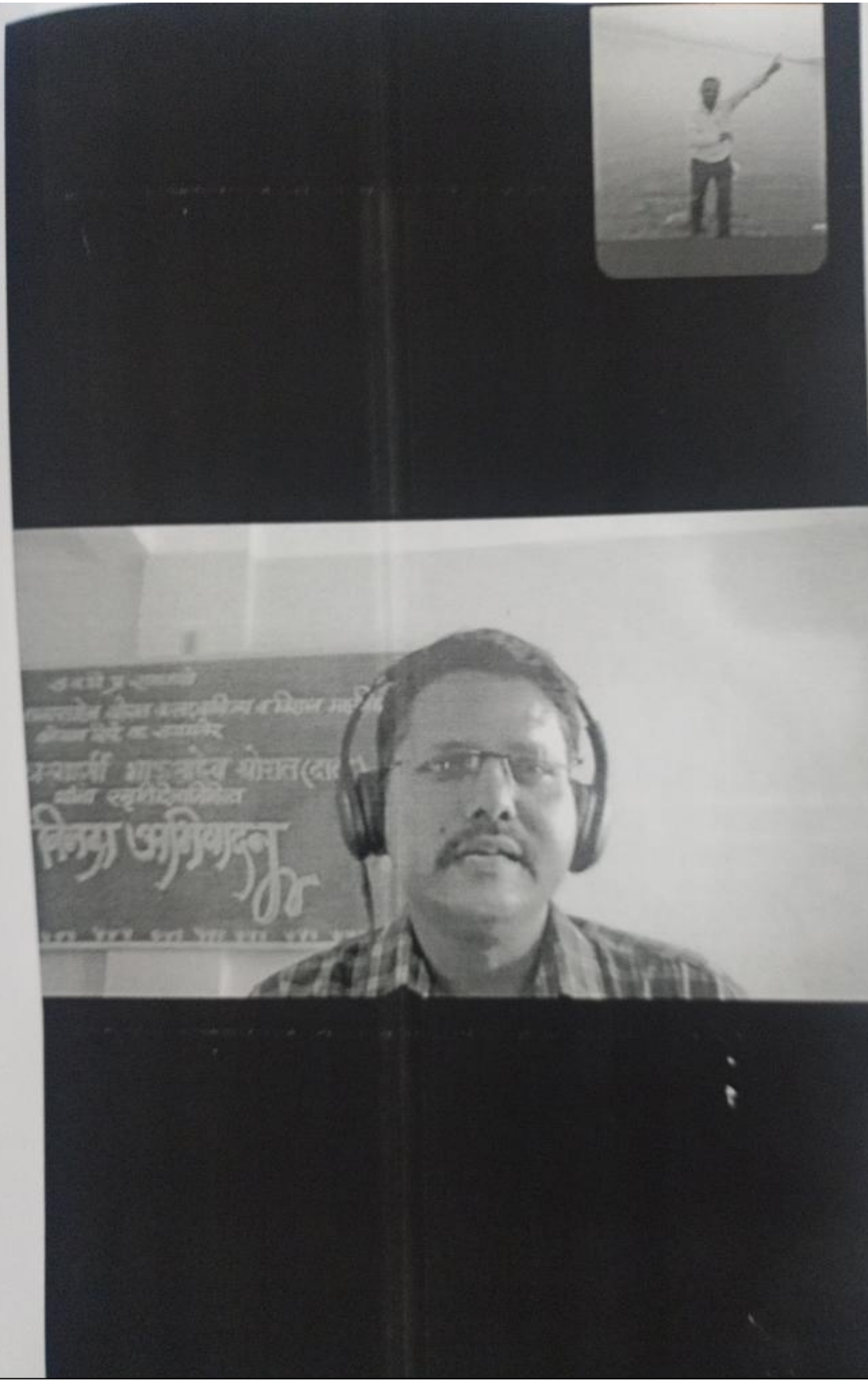

प्रथम वर्ष कला (F.Y.B.A.) (सामान्य)
(द्वितीय अयन)

पाठ्यचर्या : वैकल्पिक हिंदी प्रश्नपत्र – 1 B

3 कर्मांक

उद्देश्य :

1. छात्रों को हिंदी काव्य साहित्य का परिचय देना।
2. हिंदी कहानी साहित्य से अवगत कराना।
3. निबंध लेखन कौशल को विकसित करना।
4. छात्रों को विज्ञापन लेखन से अवगत करना।

	द्वितीय सत्र / द्वितीय अयन
इकाई– I	काव्य साहित्य : आदमी को प्यास लगती है – ज्ञानेंद्रपति रोशनी के उस पार – ओमप्रकाश वाल्मीकि उतनी दूर मत ब्याहना बाबा – निर्मला पुत्तुल किताबें झाँकती हैं – गुलज़ार नींव की ईंट हो तुम दीदी – उदयप्रकाश
इकाई –II	गद्य विधा : सरजू भैया – रामवृक्ष बेनीपुरी (रेखाचित्र) भय – आ. रामचंद्र शुक्ल (निबंध) एक बूंद सहसा उछली – अज्ञेय (यात्रा वर्णन) अकबरी लौटा – अन्नपूर्णानंद वर्मा (व्यंग्य) प्रतिशोध – डॉ. रामकुमार वर्मा (एकांकी)
इकाई –III	साहित्येतर पाठ्यक्रम : लेखन कौशल : स्ववृत्त लेखन निबंध लेखन विज्ञापन लेखन : (दैनिक पत्र–पत्रिकाओं के लिए) वाक्य शुद्धिकरण (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण क्रिया के संबंध में)

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन – 30 (लघुत्तरी परीक्षा – 20, शोध परियोजना / समूह परियोजना / मौखिक प्रस्तुति / क्षेत्रीय अध्ययन– 10)

सत्रांत परीक्षा – 70